हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 20 अप्रैल 2025

11 दूसरे दिन भी उल्टे झाड़ू लेकर सड़कों पर उतरे नगरपरिषद...

12 खराब मौसम की संभावना के चलते गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार

खबर संक्षेप

पुस्तक विमोचन समागम गजल संध्या आज

सिरसा। पंजाबी सत्कार सभा द्वारा 20 अप्रेल की शाम को पुस्तक विमोचन समागम और गजल संध्या का आयोजन किया जाएगा। सभा के प्रधान प्रदीप सचदेवा ने बताया कि स्थानीय श्री युवक साहित्य सदन में होने जा रहे इस कार्यक्रम में पंजाबी शायर कश्मीर मौजी की पुस्तक मैनू दस तां सही का लोकार्पण किया जाएगा और पंजाबी गायक बलकरण बल्ल और अन्य कलाकारों द्वारा गजलों का संगीतमयी पेशकारी की जाएगी। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि प्रसिद्ध रंगकर्मी संजीव शाद शामिल होंगे जबकि अध्यक्षता गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. हरजिंदर सिंह करेंगे। आयोजकों ने साहित्य प्रेमियों को कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया है।

चंदे का हिसाब मांगने पर दुकानदार पर बोला हमला

फतेहाबाद। गांव भिरड़ाना में चंदे का हिसाब मांगने पर कुछ लोगों ने एक दुकानदार पर हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल दुकानदार को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इस बारे सदर फतेहाबाद पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव भिरड़ाना निवासी भूषण कुमार ने कहा है गत दिवस सुबह जब वह दुकान पर बैठा था तो उसी समय सुनील नामक युवक उसकी दुकान पर आया चंदा मांगने लगा।

डोडा पोस्त सहित एक युवक को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशामुक्त अभियान के तहत रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान विक्रमजीत सिंह उर्फ मोटू पुत्र अमरीक सिंह निवासी ब्राह्मणवाला के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि ब्राह्मणवाला पुलिस चौकी की टीम एएसआई बलविन्द्र सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम को सूचना मिली कि विक्रमजीत उर्फ मोटू नामक युवक सैलर चौक के पास खड़ा है और उसके पास डोडा पोस्त है।

महिला पुलिस ने मनचलों को सिखाया सबक

डबवाली। महिला थाना पुलिसर ने गश्त करते हुए आवारा किस्म के लडक़ों पर तुरंत कार्रवाई करते हुए युवकों को सबक सिखाया। उप निरीक्षक कमला ने बताया कि उन्होने अपनी पुलिस टीम के साथ लव कुश पार्क, चौटाला रोड तथा कॉलोनी रोड व रामलीला ग्राउंड हॉटस्पॉट सेंटर रेलवे स्टेशन नजदीक पीएनबी बैंक तथा रामलीला ग्राउंड पर जाकर देखा तो वहां पर कुछ आवारा किस्म के लडक़े बिना वजह से आवारागर्दी करते रहते है तथा पढ़ने वाली लड़कियों व अन्य आने जाने वाली महिलाओं पर फब्तियां कसते है।

अधिकारियों के साथ ली समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

मंडी में पहुंचे एसीएस, खरीद सुविधाओं का लिया जायजा, किसानों की सुनीं समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं जिला के प्रशासकीय सचिव विनीत गर्ग ने अतिरिक्त अनाज मण्डी में पूछा कि खरीद के प्रबंध और सुविधाएं कैसी है तो व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भादू ने जवाब दिया कि सब प्रबंध बढिया चल रहे हैं। खरीद 3 दिन देरी से शुरू हुई है जिस कारण थोड़ी ढेरी लगी हुई हैं। मण्डी में पेयजल और शौचालयों के व्यापक प्रबंध है। पिछले साल 20 लाख बैग गेहूं आई थी, इस बार 22 लाख तक आंकड़ा पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि इसी दौरान एक मजदूर द्वारा एसीएस को पेयजल समस्या बारे बताया। इसके बाद एसीएस विनीत गर्ग गांव अयाल्की और अहरवां खरीद केन्द्रों पर गए और खरीद केन्द्रों के फर्श को पंचायत के सहयोग से पक्का करने की बात कही ताकि गेहूं खराब न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खराब मौसम को देखते हुए गेहूं की लिफ्टिंग में तेजी लाएं।

इसके बाद भूना रोड पर स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में फसल खरीद कार्य से जुड़े अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसीएस विनीत गर्ग ने कहा कि अधिकारी फसल खरीद से संबंधित लिफ्टिंग के कार्य में तेजी लेकर आए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में उन्होंने जिला में रबी फसल की खरीद प्रक्रिया, अनाज मंडियों की स्थिति तथा किसानों को दी जा रही सुविधाओं की विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्वयं मंडियों में लगातार दौरा करते रहे। अगर उठान कार्य के लिए अतिरिक्त लेबर लगाने की जरूरत है तो उसे तुरंत करवा लिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जब तक जिला की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में गेहूं की आवक का कार्य जोरों पर है इसलिए वे सुबह अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में गेहूं फसल की बोली सुबह 9 बजे शुरू करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में किसानों व लैबर के लिए व्यवस्था सुनिश्चित करें।

फतेहाबाद। अनाज मंडियों का निरीक्षण कर प्रबंधों का जायजा लेते अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग, साथ में हैं उपायुक्त मनदीप कौर व एसीएस को खरीद प्रबंधों बारे बताते व्यापार मंडल प्रधान जगदीश भादू। फोटो :हरिभूमि

ज्यादा रेल रैक लगाने के निर्देश

एसीएस ने नापतोल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय-समय पर धर्म कांटों को चेक करते रहे और कमी पाए जाने पर नियमानुसार तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने फसल खरीद कार्यों से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि ज्यादा से ज्यादा रेल रैक (स्पेशल) लगवाए ताकि मंडियों से गेहूं का उठान जल्दी हो सके। समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त मनदीप कौर ने एसीएस को आश्वस्त किया कि फसल खरीद कार्यों से संबंधित निर्देशों को संबंधित विभाग के अधिकारियों के माध्यम अक्षरत पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी।

डीसी ने प्रबंधों की दी जानकारी

बैठक के उपरांत एसीएस विनीत गर्ग व उपायुक्त मनदीप कौर ने जिला फतेहाबाद की विभिन्न अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों का दौरा किया और मंडियों में गेहूं की आवक, तौल, उठान, बारदाना उपलब्धता और भुगतान प्रणाली की जानकारी का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने फतेहाबाद, अयाल्की, अहरवां आदि अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में किए गए प्रबंधों तथा किसानों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने किसानों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना।

नप चेयरमैन शांति स्वरूप पर भड़के पार्षद

किसी भी काम में बेटे को कर देते आगे : पार्षद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नगर परिषद के चेयरमैन शांति स्वरूप का पार्षदों ने विरोध करना शुरू कर दिया है। पार्षदों का आरोप है कि चेयरमैन किसी भी काम के लिए अपने बेटे को आगे कर देते हैं, जबकि उसके पास कोई पावर नहीं है। वार्ड नंबर छह से पार्षद गोपीराम सैनी ने बयान जारी कर आरोप लगाया कि चेयरमैन का बेटा ही अधिकारी और पार्षदों को बीच मीटिंग से ही अलग कमरे में बुलाता है और उनसे गुफ्तगू करता है। चेयरमैन का बेटा सीधा पार्षदों से पूछता है कि क्या काम है, कोई गली बनवानी है क्या? बीती शुक्रवार को परिषद कार्यालय में हंगामा भी हुआ। वार्ड नंबर 25 के पार्षद प्रतिनिधि सुशील सैनी चेयरमैन वीर शांति स्वरूप पर आरोप लगाते हुए बोले कि अगर बेटे को ही पावर देनी थी तो खुद क्यों चुनाव लड़ा? बेटे को ही चुनाव लड़ा देते। पार्षद प्रतिनिधि सुशील सैनी आरोप लगाते हुए बोले कि जब भी चेयरमैन के पास किसी काम के लिए जाते हैं तो चेयरमैन वीर शांति सीधा बेटे के पास भेज देते हैं। इस बात पर पार्षदों में विरोध है। पार्षदों का कहना है कि चेयरमैन के बेटे के पास ऐसी कोई पावर नहीं है कि वह सीधा उनसे बात करें। पार्षद गोपीराम सैनी ने आरोप लगाया है कि सिरसा में जगह-जगह गड्ढे खुदवाकर छोड़े जा रहे हैं। यह सडक़ें नहीं बनेगी। लोगों को झांसे में लेकर सडक़े बनाने का वादा किया जाता है। मगर यह सडक़ें नहीं बनेगी। सिरसा में विकास नहीं विनाश होने वाला है। अब भाजपा के पार्षद ही उनके खिलाफत में उतर आए हैं।

सेशन जज दीपक अग्रवाल ने किया सद्गुरु कृपा अपना घर का निरीक्षण

■ बुजुर्गों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने हांसपुर रोड पर स्थित सद्गुरु कृपा अपना घर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ बुजुर्गों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने बुजुर्गों को विभिन्न जरूरतों व समस्याओं को सुनने के उपरांत प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां पर उपस्थित बुजुर्गों से उनके रहन-सहन, खान पान के बारे में पूछताछ की। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग हमारी धरोहर है और वे बरगद के पेड़ की तरह हैं और इनकी देखभाल करना हमारा परम कर्तव्य बनता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की समस्याओं का निदान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके दौरान उन्होंने बुजुर्गों को दी जाने वाली सुविधाओं का भी जायजा लिया। सेशन जज ने बुजुर्गों के स्वास्थ्य के की जानकारी ली और उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने को कहा। इस अवसर पर स्वामी सदानंद प्रणामी गौ सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान विनोद तायल आदि मौजूद रहे।

18 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन

■ हैंडबॉल नेशनल कैंप का समापन, खेल किट बांटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

यूथ क्लब एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय हैंडबॉल नेशनल कैंप के शनिवार को समापन पर चयनित टीम को खेल किट वितरित की गई। इस कैंप में पूरे प्रदेश से 35 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस कैंप में अकबरपुर, उत्तरप्रदेश में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया। चयनित 18 खिलाड़ियों को लवप्रीत खैरेकां के नेतृत्व में संचालित गरीब का मुख, गुरू का गुल्लक मुहिम के तहत स्पोर्ट्स किट वितरित की गई तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए यूथ क्लब एसोसिएशन के संस्थापक मास्टर संदीप सैनी ने गर्व के साथ बताया कि गांव खैरेकां के खिलाडिय़ों ने हमारे गांव को खेल हब के रूप में विकसित करने में अविस्मरणीय भूमिका अदा की है, जिसमें समय-समय पर ग्राम पंचायत, युवा क्लब लक्ष्य-2020 खैरेकां, यूथ क्लब एसोसिएशन एवं सीनियर हैंडबॉल खिलाड़ियों की भूमिका भी सराहनीय रही है। सरपंच सुमन ठाकुर ने कहा कि हमारे गांव के खिलाड़ी और युवा क्लब के सभी साथी बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच निशांत जोशन, सुशील बिश्नोई, रमेश शर्मा, नवजोत रंधावा, सुभाष भाटिया, संदीप बलजोत, पारूल, रविंद्र, विपिन बिजारणियां, प्रिंस कंबोज आदि मौजूद रहे।

बिजली के बढ़े रेट वापस हों, अनाप-शनाप चार्जिज हटाए जाएं व 300 यूनिट मुफ्त बिजली दे सरकार

बिजली समस्याओं को लेकर एसडीओ से मिला किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

बिजली सम्बंधी समस्याओं को लेकर किसान सभा का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को जिला सचिव मा. राजेंद्र बाटू व तहसील प्रधान जगदीश फुलां के नेतृत्व में एसडीओ से मिला और उन्हें बिजली मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आज प्रदेश में बिजली इतनी मंहगी कर दी गई है कि यह आम नागरिक की पहुंच से दूर हो गई है। हजारों रुपए के भारी भरकम बिल जिन पर फ्यूल चार्ज, पंचायत टैक्स, म्युनिसप्ल टैक्स आदि अनेक टैक्स लगा दिए गए हैं। उन्होंने मांग की कि सभी नागरिकों को हर माह 300 युनिट बिजली मुफ्त दी जाए। बाकी खपत रेट आधा किया जाए। युनिट खपत के अलावा लगाए गए अनाप-शनाप चार्जिज तुरंत हटाए जाएं। किसानों के लंबित ट्यूबबैल बिजली कनैक्शन जिनके पैसे भरे 2-2 साल बीत चुके हैं, तुरंत जारी किए जाएं। कनैक्शन के लिए फब्बारा लगाने की शर्त हटाई जाए। इतने लंबे समय तक कनैक्शन लटकाए रखने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्यवाई की जाए। ट्यूब्वैल खराब होने पर किसान के अपने खेत में कहीं भी कनैक्शन शिफ्ट करने पर कोई चार्जिच नहीं लिया जाए। गांवों की सभी ढ़ाणियों को पैट प्रणाली के माध्यम से घरेलू उपयोग के लिए निरंतर बिजली सप्लाई व्यवस्था की जाए। गांवों में सुचारू बिजली सप्लाई के लिए लोड अनुसार ट्रांसफार्मर बदले जाएं।

■ प्रदेश में बिजली की मंहगाई के कारण यह आम नागरिक की पहुंच से हुई दूर

रतिया। अधिकारी को ज्ञापन सौंपते किसान सभा के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

प्रतिनिधिमंडल में किसान सभा जिला उपप्रधान जगतार सिंह, अमरजीत सिंह औलख अहरवां, सुरेंद्र सेठी रतिया, सुरजीत सिंह महमड़ा, सतगुरू सिंह, बलकार सिंह तामसपुरा, गुरप्रीत सिंह भूंदड़वास, दलबीर सिंह कुलां शामिल रहे।

पुलिस ने 24.47 ग्राम हेरोइन सहित युवती को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सीआईए सिरसा पुलिस टीम ने गश्त व चैकिंग के दौरान रानियां रोड क्षेत्र से एक युवती को 24 ग्राम 47 मिलीग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए सिरसा प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया कि थाना की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान रानियां गेट सिरसा से होते हुए रानियां चुंगी की ओर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब शमशेर सिंह लाल वाली गली के नजदीक पहुंची तो कॉर्नर पर एक युवती खड़ी दिखाई दी। उक्त युवती ने सामने पुलिस पार्टी को देखकर अचानक वापस मुडक़र वहां से खिसकने का प्रयास किया। पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर महिला कांस्टेबल व राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में उक्त युवती को रोककर नियमानुसार तलाशी ली उसके कब्जे से 24 ग्राम 47 मिलीग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपी युवती की पहचान दुर्गा पुत्री शमशेर सिंह निवासी रानियां रोड टालवाली गली सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आरोपी युवती के खिलाफ थाना शहर सिरसा में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार की गई युवती को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जिला जेल भेजा गया है।

हेरोइन सहित दो गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने कालांवाली से 13.46 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान मनप्रीत सिंह वार्ड नंबर 11 गांव कालांवाली के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी राजपाल ने बताया कि पुलिस टीम मंडी कालांवाली क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान एक युवक उनकी और आता दिखाई दिया। युवक पुलिस की गाड़ी को आता देखकर एकदम पीछे मुडक़र भागने की कोशिश करने लगा। शक के आधार पर उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 13.46 ग्राम हैरोइन बरामद हुई। एक अन्य मामले में सीआईए डबवाली स्टाफ टीम ने डबवाली से 6.15 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को पकड़ा है। आरोपी की पहचान जगराज सिंह वासी वार्ड नंबर 1 मंडी डबवाली के रूप में हुई है।

जिले में अब तक 1,25,559 क्विंटल सरसों फसल की आवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला की विभिन्न अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में सरसों फसल की आवक जोरों पर है। जिला में अब तक 125559 क्विंटल सरसों फसल की आवक हुई है, जिसमें से एचएसडब्ल्यूसी द्वारा फतेहाबाद अनाज मंडी में 15165 क्विंटल, भट्टू कलां अनाज मंडी में 68497 क्विंटल तथा हैफेड द्वारा भूना अनाज मंडी में 41897 क्विंटल की आवक हुई है। इसके साथ ही जिला में अब तक 110456 क्विंटल सरसों फसल की खरीद की जा चुकी है जिसमें से फतेहाबाद अनाज मंडी में 8185 क्विंटल, भट्टू कलां अनाज मंडी में 65729 क्विंटल तथा भूना अनाज मंडी में 36542 क्विंटल सरसों फसल की खरीद हुई है। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिला की विभिन्न अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों से अब तक 89139 क्विंटल सरसों फसल का उठान हो चुका है, जिसमें से फतेहाबाद अनाज मंडी में 6980 क्विंटल, भट्टू कलां अनाज मंडी में 46966 क्विंटल तथा भूना अनाज मंडी में 35193 क्विंटल सरसों फसल का उठान किया गया है। उपायुक्त मनदीप कौर ने संबंधित विभाग व एजेंसी को निर्देश दिए है कि वे अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों से खरीदी गई सरसों फसल के उठान कार्य में तेजी लाए ताकि मंडियों में जाम आदि की स्थिति पैदा न हो।

प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर सरकारी स्कूल में पढ़ते आ रहे कई गांवों के छात्र

एसीएस से फर्राटेदार इंग्लिश में बात की ढाणी ढाका सरकारी स्कूल की छात्राओं ने

अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग व उपायुक्त मनदीप कौर ने राजकीय विद्यालय का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हरियाणा के उच्चतर शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विनीत गर्ग व उपायुक्त मनदीप कौर ने राजकीय माध्यमिक विद्यालय, ढाणी ढाका का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किए। उन्होंने स्कूल में बच्चों को उपलब्ध करवाई जा रही विभिन्न शैक्षणिक एवं अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्कूल में बने कंप्यूटर लैब, मीड डे मिल के बारे में भी जानकारी हासिल की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माणाधीन लाइब्रेरी व डी प्लान से निर्माणाधीन कमरों का भी अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीणों एवं स्कूल के प्राचार्य से भी बातचीत की। बातचीत के दौरान ग्राम पंचायत ढाणी ढाका के सरपंच मोहित खिचड़ ने बताया कि ग्राम पंचायत ने एक अनूठी पहल करते हुए गांव के बच्चों को प्राइवेट स्कूलों से हटाकर गांव के ही राजकीय माध्यमिक विद्यालय ढाणी ढाका में प्रवेश दिलवाया है। साथ ही स्कूल में ग्रामीणों ने सीसीटीवी कैमरे लगवाए है और अपने स्तर पर प्ले वे स्कूल के लिए अध्यापक नियुक्त किए है। उन्होंने बताया कि कोविड के समय इस स्कूल में केवल 20-25 विद्यार्थी ही रह गए थे और स्कूल बंद होने को था। इस पर ग्राम वासियों ने बैठक कर इसी स्कूल में अपने बच्चों का दाखिला करवाने का फैसला लिया, जिसकी बदौलत आज इस स्कूल में पहली से आठवीं कक्षा तक 300 से अधिक बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

फतेहाबाद। ढाणी ढाका में बच्चों से संवाद स्थापित करते एसीएस।

मताना के अभिभावक ने स्कूल में लगवाए दो एसी

सरपंच ने एसीएस को बताया कि ढाणी ढाका छोटा-सा गांव है। इस स्कूल में यहां के मात्र 100 ही बच्चे पढ़ते हैं जोकि पहले शहर में पढने के लिए जाते थे। 200 के करीब बच्चे आसपास के गांवों नूरकी अहली, तामसपुरा, ढाणी छतरियां से यहां आकर पढ़ते हैं। 2020 में कोविड के समय इस स्कूल में मात्र 20-25 छात्र रह गए थे। तब शिक्षा विभाग ने स्कूल को बंद करने के आदेश दिए थे लेकिन गांववासियों के प्रयासों से इस स्कूल में न केवल संख्या बढ़ी है बल्कि स्कूल की सुंदरता को चार चांद लगाए हैं। पंचायत ने अपने खर्च पर स्कूल में 5 टीचर रखकर स्कूल में पढ़ाई जारी रखी। अब तक ग्राम पंचायत इस पर 92 लाख की राशि खर्च कर चुकी है। माताना के रहने वाले अभिभावक ने स्कूल में 2 एसी भी लगवाएं हैं। उन्होंने उपायुक्त मनदीप कौर द्वारा स्कूल में सहयोग देने पर तारीफ की।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
- प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
- ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम
टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश
जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- **नियमित निवेश:** एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- **रुपये कॉस्ट एवरेजिंग:** एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- **निवेश अनुशासन:** एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- **लंबी अवधि के लिए निवेश:** एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

- कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम
- एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत
- लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम
- संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत
फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मजबूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेजी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाजार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिजाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोत: एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

खबर संक्षेप

निजी बस में की तोडफ़ोड़ ड्राइवर को किया घायल

रतिया। रतिया के नए बस स्टैंड पर आज सुबह कुछ लोगों ने एक निजी बस के चालक पर हमला कर उसे घायल कर दिया और बस पर भी पत्थरबाजी कर बस में तोडफ़ोड़ कर दी। इससे बस में सवार चार दर्जन सवारियों में हडक़ंप मच गया और उन्होंने भाग कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और उन्होंने घायल ड्राइवर को नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया, जहां से पुलिस ने ड्राइवर के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में निजी बस के ड्राइवर ने बताया कि वह बस को पिलछिया से लेकर जब सरदारेवाला के बस स्टैंड पर पहुंचा तो वहां पर कुछ लोगों ने उसकी बस को रुकवा लिया और कहा कि एक सवारी आ रही है लेकिन जब काफी देर तक सवारी नहीं आई तो वह बस को लेकर रतिया बस स्टैंड पर आ गया। रतिया बस स्टैंड से सवारियां उठाकर जैसे ही वह फतेहाबाद के लिए चलने लगा तो बस के गेट के ऊपर कुछ लोगों ने उसके साथ मार पिटाई करनी शुरू कर दी और बस के आगे वाले दोनों शीशे तोड़ दिए। जब उसने शोर मचाया तो हमलावर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी।

आगजनी में नष्ट हुई गेहूं की क्षतिपूर्ति करे सरकार: केहरवाला

सिरसा। कालांवाली के कांग्रेस विधायक शीशपाल केहरवाला ने

सिरसा जिले के गांव रूपाणा खुर्द, लुदेसर, जोधकां व सुचान आदि में हुई आगजनी में नष्ट हुई 350 एकड़ गेहूं की फसल को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। विधायक शीशपाल केहरवाला ने जारी बयान में कहा कि इस घटना से संबध गेहूं उत्पादक किसानों को आर्थिक क्षति हुई है। विधायक केहरवाला ने कहा कि राज्य सरकार को इस घटना का अविलंब संज्ञान लेते हुए पीड़ित किसानों को हुई क्षति का सरकारी स्तर पर आंकलन करवाकर उन्हें उचित मुआवजा देना चाहिए। विधायक केहरवाला ने कहा कि कांग्रेस सदैव किसान हितों की पक्षधर है और इसके लिए सडक़ से लेकर सदन तक संघर्षरत है।

उपभोक्ताओं के लिए बिजली अदालत 22 को

सिरसा। आगामी 22 अप्रैल को बिजली निगम द्वारा बिजली अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें एसई राजेंद्र सभ्रवाल उपभोक्ताओं की बिजली बिलों व मीटर संबंधित समस्याएं सुनेंगे। बिजली उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, अच्छी वोल्टेज और निर्बाध बिजली की आपूर्ति के लिए निगम प्रतिबद्ध है। पूर्ण उपभोक्ता संतुष्टि के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बिजली विभाग द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं ताकि बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं को त्वरित रूप से सुलझाया जा सके। बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों की अदालत 22 अप्रैल को अधीक्षक अभियंता ओपरेशन सर्कल सिरसा कार्यालय में लगाई जाएगी। जिसमें मुख्यतः गलत बिलिंग, वोल्टेज संबंधित, बिजली आपूर्ति में बाधाएं, खराब मीटर को बदलने में देरी आदि शामिल है।

कर्मचारियों में ठेकेदार के शोषण को लेकर गुस्सा नजर आया

दूसरे दिन भी उल्टे झाड़ू लेकर सड़कों पर उतरे नगरपरिषद के सैफाई कर्मचारी

- मांगों पर अधिकारियों के सकारात्मक रूख न अपनाए जाने की निंदा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। उलटे झाड़ू लेकर प्रदर्शन करते नगरपरिषद कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

नगर पालिका कर्मचारी संघ जिला फतेहाबाद के आह्वान पर नगरपरिषद के सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को दूसरे दिन भी हाथों में उलटे झाड़ू लेकर शहर में रोष प्रदर्शन किया। कर्मचारियों में ठेकेदार के शोषण को जहां गुस्सा नजर आया वहीं हटाए गए कर्मचारियों सहित अन्य मांगों पर अधिकारियों द्वारा सकारात्मक रूख न अपनाए जाने की भी निंदा की। आज के प्रदर्शन की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ के फतेहाबाद इकाई प्रधान विजय ढाका ने की व संचालन सचिव ओम प्रकाश लोट ने किया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, नई पोस्ट सृजित करने बारे, ठेकेदार द्वारा हटाए गए कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापिस लेने, समय पर वेतन देने, साप्ताहिक छुट्टी देने सहित अन्य समस्याओं को लेकर नगरपालिका कर्मचारी संघ जिले में आंदोलनरत है। कर्मचारियों की मांगों को लेकर प्रशासन कुंभकर्णी नींद सोया हुआ है। कर्मचारी नेता ओम प्रकाश झलानिया व धीरज घोघलिया ने बताया कि झाड़ू प्रदर्शन से पूर्व नगर परिषद कार्यालय में नगर पालिका कर्मचारी संघ जिला कमेटी की आवश्यक मीटिंग हुई।

बैठक में फतेहाबाद के अलावा टोहाना, जाखल, रतिया, भुना के प्रधान, सचिव व सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिला कमेटी ने कर्मचारियों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब आंदोलन के समर्थन कर्मचारी जनता के प्रतिनिधि, नगर परिषद चेयरमैन व पार्षदों के बीच जाकर उनके समर्थन की अपील करेंगे और उनके बीच वर्षों से साफ सफाई का कार्य कर रहे कर्मचारियों को पक्का करवाने और अन्य मांगों को लेकर सहयोग मांगा जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रशासन के उदासीन रवैये में अगर जल्द बदलाव नहीं हुआ और कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जिलेभर के कर्मचारी फतेहाबाद में हल्ला बोल प्रदर्शन करते हुए जिला नगर आयुक्त के कार्यालय का घेराव करेंगे। फतेहाबाद के अलावा टोहाना, रतिया, भूना व जाखल के कर्मचारी भी इस हल्ला बोल प्रदर्शन में भाग लेंगे। इसके बाद भी मांगों का समाधान नहीं किया गया तो संघ हड़ताल जैसा कठोर कदम उठाने पर मजबूर होगा जिसकी सारी जिम्मेवारी फतेहाबाद प्रशासन की होगी। आज के प्रदर्शन में कर्मचारी नेता सत्यवान टॉक, वीरू रत्ती, पवन चिंडालिया, राजा राम, संजू रत्ती, रंजना, शकुंतला, सतपाल परिहार आदि मौजूद रहे।

सिरसा। लघुसचिवालय में प्रदर्शन करते बजरंग दल व विहिप कार्यकर्ता।

बंगाल हिंसा के विरोध में उतरे बजरंग दल व विहिप कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

पश्चिम बंगाल में वक्फ बोर्ड बिल को लेकर हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में शनिवार बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने बरनाला रोड स्थित लघुसचिवालय परिसर में रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने उपायुक्त को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के जरिये पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की गई है। रोष प्रदर्शन कर रहे दोनों संगठनों के नेताओं ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार रोकने में ममता सरकार विफल साबित हुई है और वक्फ बोर्ड बिल की आड़ में लगातर हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू परिवार पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं, लेकिन वहां की सरकार पक्षपात रवैया अपना रही है, जो कि निंदनीय है। रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार को तुरंत बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाया जाए।

भट्टू क्षेत्र से युवती लापता, तलाश में जुटी पुलिस

फतेहाबाद। जिले के भट्टू क्षेत्र से एक युवती के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव मेहूवाला निवासी एक महिला ने कहा है कि उसकी 20 साल की लडक़ी गत दिवस घर पर बिना बताए कहीं चली गई है और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो महिला ने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। महिला ने आरोप लगाया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसकी लडक़ी को अज्ञात स्थान पर छिपा रखा है। पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

सरकार की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा किसान: सांसद सैलजा

स्पेशल गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

- हजारों एकड़ गेहूं की फसलों में आग से करोड़ों का नुकसान

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सरकार की लापरवाही का खामियाजा किसान भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि बीते शुक्रवार को प्रदेशभर में हजारों एकड़ गेहूं की फसलों में आग से करोड़ों का नुकसान हुआ।

सैलजा ने कहा कि गेहूं की फसलों में आग से हर साल करोड़ों रुपए का नुकसान होता है। अधिकतर आग लगने की वारदातें बिजली की ढीली तारों में होने वाली स्पार्किंग होती है, हर साल सरकार किसानों को आश्वासन देती है कि फसल कटाई से पहले ढीली तारों को कसवा दिया जाएगा पर आग लगने का सिलसिला कभी थमा ही क्योंकि तारों को कभी कसा ही नहीं गया, तारों की कसने का काम कागजों में जरूर दिखाया जाता रहा है। इस बार भाजपा सरकार के बिजली मंत्री की ओर से घोषणा की गई कि फसलों की कटाई को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से शाम तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी अगर आपूर्ति बंद की गई तो फिर तारों से निकलने वाली चिंगारी से फसलों में आग कहा से लग रही है।

सैलजा ने कहा कि एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों की आपूर्ति दिन में बंद रखी गई अगर ग्रामीण क्षेत्रों की फैक्टिरयों की बिजली आपूर्ति जारी रही जबकि दोनों ही आपूर्ति को बंद रखना चाहिए। वैसे बिजली आपूर्ति रखने से पहले सरकार ने अगर भूमिगत बिजली की केबिल बिछाने पर ध्यान दिया होता तो इस प्रकार के हादसे न होते। उन्होंने कहा कि सिरसा जिला में गांव लुदेसर, हंजीरा, रूपावास, सुचान में आग से गेंहू की फसलों को भारी नुकसान हुआ। बिजली विभाग की लापरवाही से एक किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर गांव पंजुआना के पास भंगू रोड पर हाई वोल्टेज लाइन में शॉर्ट सर्किट से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। जिससे सात एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। सांसद ने सरकार से मांग की है कि स्पेशल गिरदावरी करवाकर तत्काल मुआवजा जारी किया जाए क्योंकि किसान आर्थिक रूप से टूट चुका है, एक एकड़ गेहूं की फसल जलने पर किसान को 75 हजार रुपए का नुकसान होता है। आग से हुए नुकसान की भरपाई के लिए स्पेशल गिरदावरी करवाकर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए।

मंडी में लिफ्टिंग को लेकर व्यापारियों का प्रदर्शन ठेकेदार ने दिया जल्द समाधान का आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भूना

भूना अनाज मंडी में गेहूं की लिफ्टिंग में हो रही देरी को लेकर शनिवार को पुराने व्यापार मंडल के प्रधान अजय कुमार के नेतृत्व में अशोक भूटानी, दलबीर सिंह कोहाड, अशोक कत्याल, धर्मवीर दहिया, कुलदीप सिंह, राधाकृष्ण जग्गा, राकेश ख्यालिया आदि व्यापारियों ने हैफड खरीद एजेंसी कार्यालय के बाहर कुछ देर के लिए धरना देकर प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने मंडी में फैली अव्यवस्था को लेकर अधिकारियों और ठेकेदारों को घेरा और लिफ्टिंग व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने की मांग की।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि अनाज मंडी में लिफ्टिंग न होने से गेहूं के ढेर लग चुके हैं और न तो किसानों को समय पर भुगतान हो पा रहा है, न ही व्यापारियों का काम सुचारू रूप से चल पा रहा है। उन्होंने ठेकेदार पर यह भी आरोप लगाया कि उनके पास जरूरी संसाधनों की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे बार-बार ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है। इस पर ठेकेदार ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि शाम तक लिफ्टिंग की समस्या पूरी तरह से दूर कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि अनाज मंडी में लिफ्टिंग बाधित होने का कारण व्यापारियों के दो गुटों के बीच आपसी मतभेद हैं। ठेकेदार ने बताया कि व्यापारी गेहूं तो लाकर मंडी में डाल देते हैं, मगर समय पर बोरियों की भराई और सिलाई नहीं हो पाती, जिससे लिफ्टिंग कार्य प्रभावित होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके पास पर्याप्त साधन मौजूद हैं और वे मंडी में लिफ्टिंग कार्य को बाधित नहीं होने देंगे।

क्या कहते हैं मार्केट कमेटी सचिव

मार्केट कमेटी के सचिव ईश्वर सिंह ढाका ने बताया कि शनिवार दोपहर तक मंडी में लगभग 3 लाख 52 हजार क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। इसमें से करीब 2 लाख 6 हजार क्विंटल की खरीद की जा चुकी है, जबकि अब तक केवल 14,951 क्विंटल गेहूं का उठान हो पाया है। उन्होंने भी लिफ्टिंग में तेजी लाने के लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं।

आकाश के लक्षित ने जेईई मेन्स में ऑल इंडिया 464वां रैंक पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार शानदार प्रदर्शन करने वाले आकाश संस्थान के विद्यार्थी।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने जेईई मेन्स 2025 (सेशन 2) में अपने छात्रों की शानदार उपलब्धियों की घोषणा की। संस्थान की अटूट शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाते हुए, हिसार के एक छात्र ने ऑल इंडिया टॉप 500 रैंकिंग में स्थान प्राप्त किया। लक्षित ने 464वां रैंक हासिल कर इस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया। इस वर्ष हिसार शाखा के कुल 13 छात्रों ने उल्लेखनीय रैंक हासिल की।

इन परिणामों से साबित होता है कि मेहनत और सही मार्गदर्शन से शानदार सफलता हासिल की जा सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज परिणाम घोषित किए, जिससे इस साल के दूसरे और अंतिम जेईई सत्र का समापन हुआ। जेईई मेन्स भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक है। कई छात्र आकाश के क्लासरूम प्रोग्राम से तैयारी करते हैं ताकि वे आईआईटी जेईई जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल कर सकें। आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सुरेंद्र चौहान ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि हम अपने छात्रों की मेहनत और सफलता पर गर्व महसूस कर रहे हैं। सही कोचिंग और संकल्प ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। सभी सफल छात्रों को बधाई। जेईई मेन्स दो सत्रों में आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को अपने स्कोर सुधारने के अधिक मौके मिल सकें। जेईई एडवांस उन छात्रों के लिए प्रवेश का द्वार खोलता है जो प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में जाना चाहते हैं, जबकि जेईई मेन्स के जरिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों और अन्य सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश का रास्ता बनता है।

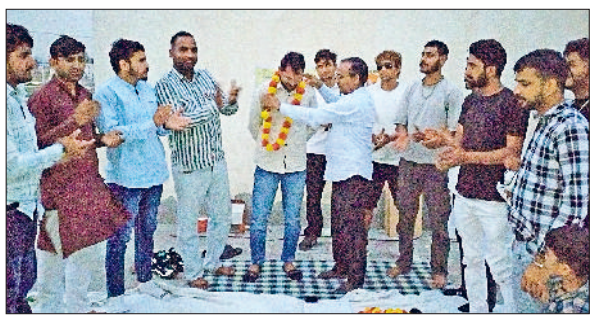

हिसार। गोपुत्र सेना की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी।

गोमाता की सेवा ही सच्चे धर्म का पालन : सोनी

हिसार। गोपुत्र सेना अग्रोहा खंड कार्यकारिणी की बैठक कार्यालय ओम लाईब्रेरी में जिलाध्यक्ष महिपाल सोनी कि अध्यक्षता में हुई। बैठक में खंड के विभिन्न गांवों से गोसेवक शामिल हुए। गोपुत्र सुनील क्रांतिकारी ने बताया कि बैठक में पुरानी कार्यकारिणी निरस्त करके पुनः नई कार्यकारिणी गठित की गई और साथ ही पिछले एक वर्ष का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। जिलाध्यक्ष महिपाल सोनी ने गौ सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गोमाता की सेवा ही सच्चे धर्म का पालन है। उन्होंने पदाधिकारियों से गौ रक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आग्रह किया। बैठक में गौ रक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। संगठन की आगामी कार्ययोजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रमोद स्वामी, जिला संगठन मंत्री मोहित किरोड़ी, जिला उपाध्यक्ष दीपक योगी व गौपुत्र सुनील क्रांतिकारी तथा मोहित, विष्णु, प्रिंस शर्मा, काला उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष विषय पर सेमिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

- कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की
- 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया, जिसका थीम 'सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है' रखा गया

खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सहभागिता वर्ष विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र कुमार ने की। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया है, जिसका थीम 'सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है' रखा गया है।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय से प्रो. सुनील वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभिन्न देशों के बीच शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग से ज्ञान और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान होता है। इसरो जैसे संगठनों के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग से अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान में प्रगति होती है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सेमिनार के संयोजक प्रो. प्रदीप सिंह, प्रो. सुरेन्द्र सभरवाल, प्रो. कृष्ण लाल, प्रो. दिनेश कुमार व अन्य स्टाफ सदस्य तथा महाविद्यालय के सभी संकायों से विधार्थी उपस्थित रहे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स बिहार के लिए हरियाणा गतका टीम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

- गतका खेल को नेशनल लेवल खेलों इंडिया में शामिल करना बड़े गर्व की बात : स्वर्ण सिंह
- खिलाडिय़ों के लिए पहला ट्रेनिंग कैम्प अकाल इंटरनेशनल अकैडमी, मुंशीवाली रतिया में 20 अप्रैल को सुबह 8 बजे से लगेगा
- खेलों इंडिया गेम्स बिहार में हरियाणा के 11 गतकाबाज का चयन किया

बिहार में होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स को लेकर खेल विभाग हरियाणा ने गतका टीम की घोषणा कर दी है। गतका एसोसिएशन ऑफ हरियाणा के जनरल सेक्रेटरी स्वर्ण सिंह रतिया ने बताया कि गतका खेल को नेशनल लेवल खेलों इंडिया में शामिल करना बड़े गर्व की बात है। इसके लिए गतका फैडरेशन ऑफ इंडिया और खेल विभाग का आभार व्यक्त किया। खेलों इंडिया गेम्स बिहार में हरियाणा के 11 गतकाबाज का चयन किया गया है। हरियाणा की गतका टीम में जुगजीत सिंह, जगजोत सिंह हिसार से, हरविंद्र सिंह सिरसा से फर्री सोटी टीम में खेलेंगे। मनदीप सिंह सिरसा से सिंगल सोटी इंडिवीडुअल व गुरप्रेम सिंह सिरसा से फर्री सोटी इंडिवीडुअल में खेलेंगे। नेहा करनाल से, रिया शर्मा पंचकूला से, अमनदीप कौर फतेहाबाद से फर्री सोटी टीम में खेलेंगे। प्रेरणा फतेहाबाद से फर्री सोटी इंडिवीडुअल में खेलेंगी। निशा और रिया फतेहाबाद से सिंगल सोटी में खेलेंगी। हरियाणा टीम के गतकाबाजों खिलाडिय़ों के लिए पहला ट्रेनिंग कैम्प अकाल इंटरनेशनल अकैडमी, मुंशीवाली रतिया में 20 अप्रैल को सुबह 8 बजे से लगेगा।

बैठक जिन मामलों में गिरफ्तारी बकाया है उन मामलों में आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करें

एसपी ने डीएसपी व थाना प्रभारियों की ली बैठक

- गैर कानूनी धंधा करने वालों तथा अपराध व अपराधियों की खोज खबर लेकर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। डीएसपी व थाना प्रभारियों की बैठक लेते एसपी। फोटो : हरिभूमि

थाना में शिकायत लेकर आने वाले पीड़ित व्यक्ति की फरियाद को गंभीरता से सुनकर उसे शीघ्र न्याय दिलाने का प्रयास करें। विभिन्न लंबित मामलों का शीघ्र निपदान करें तथा जिन मामलों में गिरफ्तारी बकाया है उन मामलों में आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करें। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिला के सभी डीएसपी व थाना प्रभारियों की बैठक लेकर उनके कार्यों की समीक्षा कर, आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि गैर कानूनी धंधा करने वालों तथा अपराध व अपराधियों की खोज खबर लेकर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विभिन्न मामलों में वांछित भगोड़ों की धरपकड़ तेज करें तथा आदतन अपराधियों की हिस्ट्री शीट खोलें तथा समय समय पर चैक कर उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखें और महिला विरुद्ध अपराधों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई करें।

पुलिस अधीक्षक मौजूद सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि पीएम विंडो, सीएम विंडो व हरसमय पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का निश्चित समय अवधि में निपटारा कर सही समय पर जबाव भेजे तथा थाना में आए फरियादियों की फरियाद सुन कर शीघ्र अति शीघ्र न्याय दिलवाएं, ताकि लोग अपने आप को सुरक्षित महसूस करें और समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि नजर आए। उन्होने कहा कि थानों के सभी पुलिस अधिकारी व कर्मचारी आधुनिक टेक्नोलॉजी से अपने आप को पूरी तरह प्रशिक्षित रखें और उच्च अधिकारियों के निर्देशो की पालना करते हुए मांगे गए जबाव को निश्चित समय अवधि में भेजना सुनिश्चित करें।

खबर संक्षेप

गोशाला की गुल्लक लेकर युवक फरार

फतेहाबाद। गांव मोहम्मदपुर सौत्र में दो युवक एक दुकान में घुसकर गौशाला के गुल्लक में रखी हजारों रुपये की नकदी चोरी कर ले गए। इन युवकों को दुकान पर काम करने वाले युवक ने पकडऩे की भी कोशिश की लेकिन युवक मौके से भागने में कामयाब रहे। बाद में दुकानदार ने इस बारे भूना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

घर में शराब निकालता युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। शराब तस्करों की धरपकड़ करते हुए टोहाना पुलिस ने नाजायज शराब निकालते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान गुरमीत सिंह पुत्र पहलवान सिंह निवासी ललौदा के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम एएसआई ओमप्रकाश के नेतृत्व में गश्त पर थी तो उन्हें सूचना मिली कि गुरमीत सिंह नामक युवक अपने घर के पास वाले मकान में नाजायज शराब निकालकर बेचने का काम करता है।

रतिया शहर से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोरों ने गत दिवस रतिया शहर से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव हड़ौली निवासी सन्तु ने कहा है कि गत दिवस वह अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से रतिया आया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को खटीक मोहल्ला में नत्थू डॉक्टर की दुकान के पास खड़ा किया और काम पर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था।

अवैध हथियारों सहित हिसार का युवक काबू

फतेहाबाद। नाजायज हथियार रखने वालों की धरपकड़ करते हुए फतेहाबाद पुलिस ने हिसार के एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से दो नाजायज पिस्तौल बरामद की है। पकड़े गए युवक की पहचान अंकित उर्फ राधे पुत्र अशोक कुमार निवासी शक्ति नगर हिसार के रूप में हुई है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर कुलदीप ने बताया कि सीआईए स्टाफ फतेहाबाद पुलिस की टीम एसआई बलजीत सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। इस दौरान आरोपी को पकड़ा गया।

करियर गाइडेंस पर सेमिनार 23 को

सिरसा। कैरियर गाइडैंस काउसलिंग सर्विस द्वारा आगामी 23 अप्रेल को एक सेमिनार आयोजित किया जाएगा। संस्था के संचालक नरेश गोयल व सरोज गोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि सेमीनार में बतौर मुख्यातिथि आरके रंजन गणित, मृत्युजंय मिश्रा भौतिक विज्ञान, अरविंद शर्मा रसायन विज्ञान तथा अनिल राणा जीव विज्ञान के शिक्षाविद अपने अनुभव से युवाओं का मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने बताया कि सेमीनार में भारत के प्रसिद्ध काउसलर से अनुज गोयल एवं रोहिन सिंह हिस्सा लेंगे।

बीते वर्ष से अब तक 1 लाख एमटी ज्यादा हुई खरीद

खराब मौसम की संभावना के चलते गेहूं खरीद ने पकड़ी रफ्तार, उठान में परेशानी

जिले में गेहूं खरीद के लिए कुल 52 खरीद केन्द्र बनाए गए, इनमें 7 मण्डियां व 45 खरीद केंद्र शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। गेहूं की ढेरियां से अटी नई अनाज मण्डी। फोटो: हरिभूमि

खराब मौसम की संभावना के चलते मण्डियों में गेहूं की बम्पर खरीद हो रही है। जिले की 7 मण्डियों व 45 खरीद केन्द्रों पर गेहूं की सरकारी खरीद हो रही है। शनिवार तक फतेहाबाद में 2 लाख 84 हजार 228 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। इनमें से 69615 एमटी गेहूं की ही लिफ्टिंग हुई है, बाकी 2 लाख 14 हजार 613 एमटी गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा है। बता दें कि बीते वर्ष आज के दिन तक 1 लाख 85 हजार 582 एमटी गेहूं की आवक हुई थी। इस बार करीब 1 लाख एमटी गेहूं की ज्यादा खरीद हो चुकी है।

मौसम विभाग ने 20 अप्रैल को भी मौसम बिगडऩे की संभावना जताई है। ऐसे में गेहूं का उठान तेज न हुआ तो किसान व आढ़ती दोनों को इसकी मार पड़ेगी। बताया जा रहा है कि ठेकेदारों के पास ट्रकों की किल्लत के चलते उठान नहीं हो पा रहा। व्यापार मंडल अनाज मण्डी ने धीमी गति से हो रही लिफ्टिंग पर चिंता जताई है।

जिले में गेहूं खरीद के लिए कुल 52 खरीद केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें 7 मण्डियां व 45 खरीद केन्द्र हैं। खाद्य एवं पूर्ति विभाग के अनुसार सभी खरीद केन्द्रों पर गेहूं की खरीद जारी है। प्रदेश सरकार 1 अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू कर देती है लेकिन इस बार मौसम के ठंडा रहने से फतेहाबाद में 14 अप्रैल से गेहूं की खरीद शुरू हो पाई। पिछले 2 दिनों में गेहूं की आवक तेज हो गई है। इस बीच मौसम विभाग ने अगले दो दिन मौसम खराब रहने की संभावना जताई है।

पिछले 5 सालों में हुई गेहूं खरीद

वर्ष	कुल खरीद
2020-21	7,12,551 एमटी
2021-22	6,94,461 एमटी
2022-23	4,29,641 एमटी
2023-24	6,14,656 एमटी
2024-25	7,01,641 एमटी

ये बोले अधिकारी

अगले दो दिनों में गेहूं की आवक रफ्तार पकड़ेगी, इसलिए सभी खरीद एजेंसियों ने खरीद व लिफ्टिंग का काम तेज कर दिया है। किसी भी किसान व आढ़ती को दिक्कत नहीं आ रही। अब तक गांवों में सभी खरीद केन्द्रों पर गेहूं खरीद का काम तेजी से चल रहा है।

-विनीत जैन, डीएफएससी फतेहाबाद

20 अप्रैल तक बारिश की संभावना

एचएयू हिसार के मौसम विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खिचड़ का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण हरियाणा में पिछले दो-तीन दिनों से मौसम में बदलाव देखा गया है। सामान्य तापमान 3 डिग्री अधिक चल रहा है। रात का तापमान भी 26 डिग्री तक पहुंच गया है। पश्चिम विक्षोभ के पहाड़ों की तरफ बढऩे के कारण तेज हवाएं चल रही हैं। इस कारण प्रदेश के कुछ इलाकों में बूंदाबांदी की संभावना है। 20 अप्रैल तक धूल भरी तेज हवाएं चलने की संभावना है। 21 अप्रैल के बाद मौसम खुश्क रहेगा। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि गेहूं की कटाई करते समय बंडल अच्छी तरह बांधे व अनाज व तूड़ी को सुरक्षित रखें।

अब तक हैफेड ने की सबसे अधिक गेहूं की खरीद

जिला में अब तक 17218 किसानों की विभिन्न एजेंसियों द्वारा 2 लाख 84 हजार 228 मीट्रिक टन गेहूं फसल की खरीद की गई है जिसमें से फूड सप्लाई ने 2344 किसानों की 37 हजार 154 मीट्रिक टन, हैफेड ने 6286 किसानों की 124967 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 6569 किसानों की 108372 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 2019 किसानों की 13734 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की है। अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों में गेहूं फसल का उठान कार्य भी जारी है। जिला में अब 69615 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया जा चुका है, जिसमें फूड सप्लाई ने 8984 मीट्रिक टन, हैफेड ने 28198 मीट्रिक टन, एचडब्ल्यूसी ने 24099 मीट्रिक टन व एफसीआई ने 8333 मीट्रिक टन गेहूं की फसल का उठान किया गया है। जिला में अब तक 17218 किसानों की गेहूं की फसल खरीदी जा चुकी है जिसकी एवज में विभिन्न खरीद एजेंसियों द्वारा 161.90 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया गया है।

अनाज मंडियों में गेहूं के बैग अटे पड़े

फतेहाबाद की अनाज मण्डियों में शैड गेहूं के बैगों से अटे पड़े हैं। यहां लिफ्टिंग नाममात्र की हो रही है। ठेकेदार के पास ट्रक नहीं है। अब तक फतेहाबाद में 9 लाख बोरियां गेहूं की खरीद हुई है, जिसमें मात्र 98272 बोरियों का ही उठान हो पाया है। मार्किट कमेटी सचिव ने भी लिफ्टिंग तेज करने को लेकर डीएफएससी, डीएम हैफेड, डीएम वेयर हाऊस को पत्र लिखा है। उम्मीद है कि जल्द ही लिफ्टिंग के काम में तेजी आएगी।

-जगदीश भादू, प्रधान व्यापार मंडल अनाज मण्डी फतेहाबाद

पटौदी ट्रॉफी और अंडर 23 के ट्रायल 27 को

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आगामी 27 अप्रेल को पटौदी ट्रॉफी व अंडर-23 क्रिकेट के लिए ट्रायल लिए जाएंगे। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बैनीवाल ने बताया कि क्रिकेट में प्रतिभाशाली युवाओं को उचित अवसर देने व प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 2025 की सिरसा क्रिकेट टीम की पटौदी ट्रॉफी व अंडर 23 टूर्नामेंट के खिलाडिय़ों के चयन के लिए ट्रॉयल शाह सतनाम क्रिकेट स्टेडियम, सिरसा में लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ट्रॉयल के इच्छुक सभी खिलाडिय़ों के लिए नियमों की अनुपालना करते हुए देय समय पर पहुंचना अनिवार्य है। डॉ. बैनीवाल ने बताया कि ये अंतर जिला टूर्नामेंट हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के बैनर तले होंगे और इसी कड़ी में पटौदी ट्रॉफी के लिए ट्रायल देने आए खिलाडिय़ों के लिए कोई आयु सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

अंडर-23 के खिलाडिय़ों के लिए ये रहेगी पात्रता

जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव डॉ. वेद बैनीवाल के मुताबिक अंडर-23 के लिए ट्रायल देने आने वाले खिलाडिय़ों के लिए निर्धारित पात्रताओं में संबद्ध खिलाड़ी का जन्म 1 सितंबर 2002 को या उससे पहले होना चाहिए। साथ ही खिलाडिय़ों को कंप्यूटराइज्ड अपना जन्म प्रमाण-पत्र, शिक्षा प्रमाण-पत्र व आधार कार्ड की प्रति लाना भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एक सशक्त टीम के चयन के लिए एसोसिएशन ट्रायल से पहले खिलाडिय़ों का दो किलोमीटर की रेस के रूप में फिटनेस टेस्ट भी लेगी जिसमें उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। डॉ. बैनीवाल ने बताया कि ट्रायल के लिए आने वाले खिलाडिय़ों को अपनी पूरी किट व सफेद ड्रेरस में आना होगा।

कंप्यूटर लैब सहायकों की ड्यूटियां लगाना दुर्भाग्यपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

कंप्यूटर लैब सहायक वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य प्रधान कर्मजीत संधू नेबताया कि कंप्यूटर लैब सहायकों की अनाज मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेट यानि ई-पास जेनरेट करने में अनावश्यक ड्यूटियां लगाई जा रही है जो कि अनुचित है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर लैब अटेंडेंट का वेतन मात्र 12 हजार रुपए है और उसके बाद भी अनाज मंडियों में 30 से 40 किलोमीटर ड्यूटी करवाई जा रही है, जबकि ड्यूटी का कोई भी अतिरिक्त चार्ज नहीं दिया जाता। इसके अलावा महिला कर्मचारियों की ड्यूटी भी ई-पास जेनरेट करने में लगाई गई है, ड्यूटी का कोई भी टाइम नहीं है, जिससे कंप्यूटर लैब सहायक साथियों में निराशा है।

स्कॉलर्स कॉन्वेंट के विद्यार्थी छाए

- छात्रों ने जेईई मेन 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

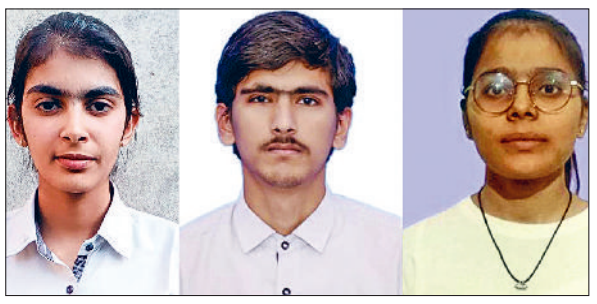

फतेहाबाद। जेईई मेन परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले स्कॉलर्स के छात्र।

स्कॉलर्स कॉन्वेंट स्कूल, फतेहाबाद के छात्रों ने जेईई मेन 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल का नाम रोशन किया है। स्कूल के चार छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में भाग लिया,

तीन ने किया क्वालीफाई

जिसमें से तीन छात्रों ने शानदार अंकों के साथ क्वालिफाई किया। स्कूल का सफलता अनुपात 75 प्रतिशत रहा, जो इसकी शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है।

स्कूल की छात्रा अंजू ने 93.25 परसेंटाइल, सागर ने 95 परसेंटाइल तथा मनीषा ने 91.85 परसेंटाइल हासिल किए। स्कूल के निदेशक शैलेन भास्कर ने इस उपलब्धि पर सभी सफल छात्रों और उनके मेंटर्स राहुल झा, विपुल गोयल, विजय यादव और सूरज कुमार मौर्य को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हमारे छात्रों ने अपनी मेहनत और समर्पण से यह सिद्ध कर दिखाया है कि सही मार्गदर्शन और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। मेंटर्स की मेहनत और स्कूल की शैक्षणिक प्रणाली ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्कूल प्रशासन और शिक्षकगण इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं और भविष्य में भी ऐसी ही सफलताओं की कामना करते हैं।

ज्ञान के लिए तकनीकी संसाधन जरूरी

- जेसीडी शिक्षण महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कई विषयों पर मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जेसीडी शिक्षण महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शिक्षा, फार्मेसी, इंजीनियरिंग, प्रबंधन, विज्ञान और मानविकी में नवीन प्रौद्योगिकी का एकीकरण विषय पर हुई। इस संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षा और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में तकनीकी नवाचारों की भूमिका पर चर्चा करना था। संगोष्ठी के समापन अवसर पर सीडीएलयू के कुल सचिव डॉ. राजेश बंसल ने कहा कि उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों को तकनीकी संसाधनों और आवश्यक उपकरणों से युक्त करना आवश्यक है। उन्होंने संकाय विकास कार्यक्रमों में निरंतर निवेश करने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे शिक्षक नवीनतम शैक्षणिक प्रवृत्तियों से अवगत रह सकें। डॉ. मीना कुमारी ने कहा कि डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षक शिक्षा में परिवर्तन लाने की क्षमता रखते हैं। डॉ. ईश्वर मलिक ने शिक्षा प्रौद्योगिकी पर आधारित संगोष्ठियों को शिक्षकों और छात्रों के लिए नवीन विचारों और तकनीकों को सांझा करने का उत्कृष्ट मंच बताया। वहीं, डॉ. पूनम गुप्ता ने कहा कि ग्रामीण और शहरी शिक्षार्थियों के बीच तकनीकी संसाधनों की समान पहुंच सुनिश्चित करना समय की मांग है। संगोष्ठी में आयोजित तकनीकी सत्रों में विभिन्न पृष्ठभूमियों के विद्वानों ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। लगभग 200 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए, जिनमें डिजिटल शिक्षा, स्मार्ट क्लासरूम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई-लर्निंग और अन्य विषय शामिल थे। डॉ. निशा ने संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सभी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

सिरसा। अतिथियों को सम्मानित करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट ने बांटी स्टेशनरी

- शहीदों की याद में बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट ने सहयोग के लिए हाथ बढ़ाया

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

सिरसा। विद्यार्थियों को पुस्तकें वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बरनाला रोड स्थित सरकारी स्कूल में शनिवार को शहीदों की याद में बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट द्वारा सैकड़ों जरूरतमंद बच्चों को स्टेशनरी वितरित की। ऑल इंडिया सैनी समाज सेवा ट्रस्ट के जिला प्रधान भागीरथ सैनी ने कहा कि बाबा सरसाईनाथ सेवा ट्रस्ट बहुत ही बेहतरीन कार्य कर रही है।

समाजसेवा का प्रण : अन्य संस्थाओं को भी इनसे प्रेरणा लेकर समाज सेवा में कार्य करने चाहिए। ट्रस्ट के प्रधान रविंद्र सैनी ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से प्रेरित होकर वे समाज सेवा के हित में कार्य कर रहे हैं और समाजसेवा का ये कारवां भविष्य में भी अनवरत जारी रहेगा। विशेष अतिथि के तौर पर बोलते हुए समाजसेवी रणजीत सिंह टक्कर ने कहा कि सभी समाज के वर्गों को प्रेरणा लेकर जरूरतमंद लोगों की सेवा करनी चाहिए।

जरूरतमंद की सेवा ही परमात्मा की सच्ची सेवा है। रविंद्र सैनी ने सभी साथियों का धन्यवाद किया और उम्मीद जताई की सभी साथी इसी तरह समाज सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मौके पर उपप्रधान डॉ. सुमित सैनी, डॉ. सतवीर कंबोज, नरेंद्र रावत, प्रवीन, सुरेंद्र, प्रदीप सैनी, नरेश सैनी, अनीता, अंजली, सागर सहित अन्य स्टाफ सदस्य व बच्चे मौजूद थे।

यूएस उपराष्ट्रपति के दौरे का विरोध

- भारत यात्रा के खिलाफ किसान सभा करेगी प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के खिलाफ किसान सभा द्वारा फतेहाबाद में जिला मुख्यालय पर रोष प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान डीसी कार्यालय पर पुतला भी फूंका जाएगा। यह जानकारी देते हुए किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त शर्मा व जिला सचिव मा. राजेन्द्र प्रसाद बाटू ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे घुटने टेक दिए हैं और कृषि उत्पादों सहित अमेरिकी उत्पादों के लिए टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने की योजना पर आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने जोर देकर कहा है कि भारत को अपना कृषि बाजार खोलना चाहिए और द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए बातचीत में कृषि को बाहर नहीं रखा जा सकता। इसके खिलाफ किसान सभा ने 21 अप्रैल को भारत आ रहे अमेरिकी उपराष्ट्रपति का विरोध करेंगे।

ये बोले किसान नेता

किसान नेताओं ने कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौता डेयरी किसानों के लिए मौत की घंटी साबित होंगे, क्योंकि यदि टैरिफ और बाजार प्रतिबंध हटा दिए गए तो भारत को अमेरिकी डेयरी निर्यात में भारी उछाल आएगा। अमेरिकी वीट एसोसिएट्स का दावा है कि भारत में घरेलू समर्थन का स्तर ऊंचा है और व्यापार को विकृत करने वाले ऊंचे शुल्क हैं। विडंबना यह है कि यह तब है जब भारत में किसान कानूनी रूप से गारंटीकृत खरीद के साथ लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इसी तरह, मक्का के मामले में, आनुवंशिक रूप से संशोधित मक्का के साथ-साथ इथेनॉल पर भारत के आयात प्रतिबंध को हटाने के लिए दबाव है, जिससे अमेरिका को अप्रत्याशित लाभ होने की उम्मीद है। सोयाबीन, बादाम, पिस्ता, अखरोट, सेब और बागवानी की फसलें सभी अमेरिका स्थित कमोडिटी कार्टेल के इशारे पर बातचीत के लिए तैयार हैं। किसान नेताओं ने कहा कि रिपोर्टों के अनुसार 2030 तक मिशन 500 के तहत, कुल व्यापार को दोगुना करके 500 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया।

पायनियर कॉन्वेंट स्कूल के 9 छात्रों ने किया जेईई एडवांस क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गत दिवस घोषित हुए जेईई मेंस सेशन 2 के परिणाम में पायनियर स्कूल के विद्यार्थियों ने फिर इतिहास रचा है। स्कूल के 9 विद्यार्थियों सहज अनेजा 99.58 परसेंटाइल, देव वधवा 99.32, समर्थ मेहता 98.67, गैरी सिद्धू 98.33, अर्श सचदेवा 98.17, प्रांजल ग्रोवर 94.30, सुशांत 94.24, छवि 93.48 तथा प्रिंस 91.46 परसेंटाइल के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए जेईई एडवांस परीक्षा के लिए अपना स्थान सुनिश्चित किया।

एडवांस परीक्षा में अच्छा परिणाम आने पर इन छात्रों का दाखिला देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी में हो जाएगा। यह जानकारी देते हुए स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय निर्मोही ने बताया कि दूसरे सेशन में 2 विद्यार्थियों ने 99 से ऊपर परसेंटाइल, 5 विद्यार्थियों ने 98 से ऊपर परसेंटाइल, 14 विद्यार्थियों ने 90 से ऊपर परसेंटाइल प्राप्त किए। प्रिंसिपल गीतिका मेहता तथा डायरेक्टर निशांत निर्मोही ने बताया कि स्कूल में रहकर ही बच्चों को जेईई एवं नीट परीक्षा की तैयारी करवाई जाती है। यह परिणाम बच्चों, अध्यापकों एवं अभिभावकों की मेहनत और परिश्रम को सिद्ध करता है।

महात्मा हंसराज जयंती पर 11 कुण्डीय वैदिक यज्ञ

चरित्र निर्माण शिविर में छात्रों का किया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस स्कूल में 11 कुण्डीय हवन यज्ञ में भाग लेते प्राचार्य व विद्यार्थी।

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में आर्य विचारधारा के पोषक एवं त्यागमूर्ति महात्मा हंसराज की पावन जयंती के शुभ अवसर पर 11 कुण्डीय वैदिक यज्ञ का आयोजन किया गया। प्राचार्य अरुण शर्मा सहित नवीन प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों के साथ सभी विद्यार्थियों व शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पवित्र वैदिक मन्त्रोच्चारण के साथ आयोजित विशेष यज्ञ में आहुतियाँ डालीं और वैदिक भजनों के माध्यम से विद्यार्थियों ने महात्मा हंसराज के योगदान एवं उनके त्यागपूर्ण जीवन को सबके सामने रखा। इस अवसर पर छठी कक्षा के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय चरित्र-निर्माण शिविर का आयोजन भी किया गया। गायत्री महामंत्र के उच्चारण के साथ प्राचार्य अरुण शर्मा ने शिविर का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात आचार्य राम बिलास शास्त्री ने ध्यान व योग के सत्र में विद्यार्थियो को अनुलोम-विलोम, कपालभाति तथा भ्रामरी प्राणायाम के माध्यम से स्वयं को एकाग्रचित करने की विधियां बताई। विभा शर्मा ने विद्ययार्थियों को जीवन के अंतिम उद्देश्य के बारे में विस्तार से चर्चा की और बच्चों को बताया गया कि चरित्र निर्माण क्यों जरूरी है।

'अन्नदान- महादान' का महत्व बताया

शिविर में रितु सचदेवा ने 'अन्नदान- महादान' विषय पर अपने विचार रखते हुए भोजन के महत्त्व से अवगत करवाया तथा समुचित मात्रा में भोजन करने व जरुरतमंदों की सहायता करने की शपथ दिलाई। शिम्पी ने विद्यार्थियों को महात्मा हंसराज के जीवन से सम्बंधित लघु कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न नैतिक मूल्यों से करवाया और बाद में कला संकाय द्वारा विद्यार्थियों के लिए अच्छी आदतों व नैतिक मूल्यों पर आधारित नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिविर के समापन पर प्राचार्य अरुण शर्मा ने बताया कि महात्मा हंसराज द्वारा रोपित एवं पोषित डीएवी संस्था आज भी ज्ञान की अनवरत धारा को बहाकर लाखों बच्चों का जीवन संवारने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि शिविर के समापन पर बच्चों से मिली प्रतिक्रियाओं से इस शिविर की सार्थकता का पता चलता है और निःसंदेह इस प्रकार की गतिविधियों से विद्यार्थियों में उच्च नैतिक मूल्यों का विकास होता है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 20 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

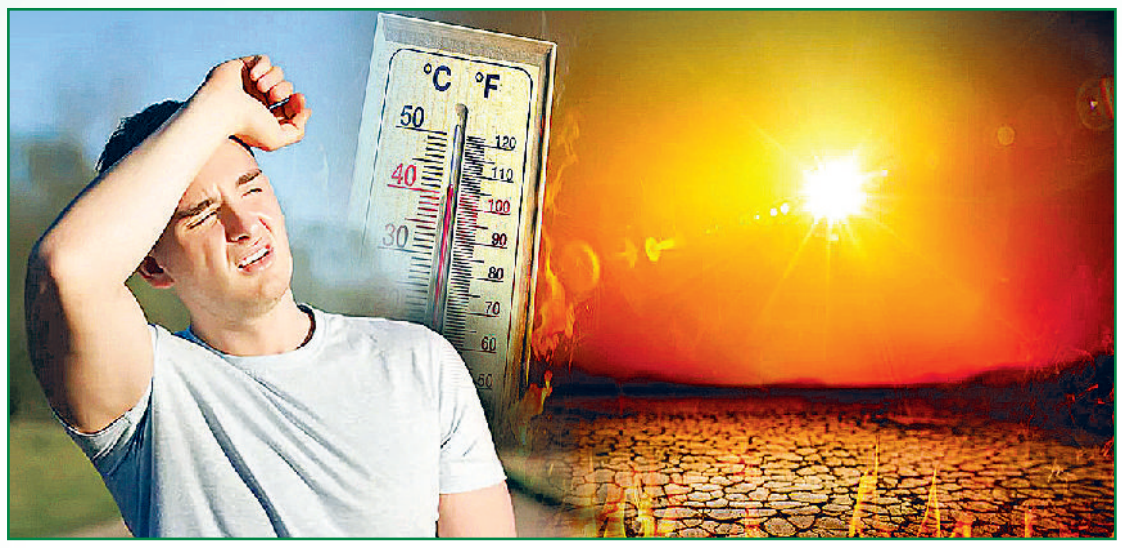

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

विशेष: पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

'का का, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

परंपरा / शिखर चंद जैन

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

दुनिया भर के अनेक लोग पुस्तकें पढ़ने का शौक रखते हैं। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न देशों में कुछ अनोखी और आकर्षक साहित्यिक परंपराएं निभाई जाती हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसी परंपराओं के बारे में।

दुनिया भर में मशहूर पुस्तक प्रेम की अनोखी परंपराएं

क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला रूस

अपनी अनोखी पुस्तक-संबंधी प्रदर्शनियों और प्रतिष्ठानों के लिए प्रसिद्ध रूस का यह मेला साइबेरिया की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करता है और विभिन्न साहित्यिक विधाओं के अन्वेषण को प्रोत्साहित करता है। साइबेरिया के आश्चर्यजनक परिदृश्यों के बीच स्थित, रूस का क्रास्नोयार्स्क पुस्तक संस्कृति मेला, साहित्यिक समारोहों की दुनिया में बहुत महत्व रखता है। यह मेला, न केवल लिखित शब्दों का उत्सव मनाता है, बल्कि क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी संजोता है। रूसी साहित्य, स्वदेशी कहानी और अंतरराष्ट्रीय प्रभावों के अनूठे मिश्रण के साथ यह मेला पुस्तक प्रेमियों और संस्कृतिकर्मियों के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। विविध पुस्तक स्टालों से भरे व्यस्त बाजारों से लेकर साहित्यिक परिदृश्य पर गहन विचार-विमर्श तक, आगंतुकों को शब्दों की दुनिया में एक गहन यात्रा का आनंद मिलता है। *

जोला बोका फ्लड आइसलैंड

आइसलैंड के अधिकांश लोग नियमित रूप से किताबें पढ़ते हैं। वे किताबें लिखने में भी आगे रहते हैं। जोला बोका फ्लड के नाम से मशहूर 'क्रिसमस बुक फ्लड' समारोह साल के अंत में एक हफ्ते तक आयोजित होता है, जिसमें आइसलैंड के नागरिक एक-दूसरे को किताबें उपहार में देते हैं। अकसर क्रिसमस की पूर्व संध्या पर, इन पुस्तकों का आदान-प्रदान किया जाता है और फिर तुरंत पढ़ा जाता है। जोला बोका फ्लड, वाक्यांश खरीदी गई नई पुस्तकों की 'बाढ़' को भी संदर्भित करता है। आइसलैंडवासी कहते हैं, 'एड गंगा मेड बोक आई मैगनम', जिसका भावार्थ होता है 'हर किसी के अंदर एक किताब होती है।' *

पढ़ने के साथ आनंद के पल स्वीडन

स्वीडिश लोग आराम के समय किताबें पढ़ना सबसे अधिक पसंद करते हैं। खासतौर पर सर्दियों की लंबी, अंधेरी रातों में स्वीडिश लोग गर्म पेय के साथ कंबल के नीचे दुबके हुए अपनी पसंदीदा किताब पढ़ना खूब पसंद करते हैं। स्वीडन में स्थित अधिकतर पुस्तकालय, अकसर रीडिंग नाइट्स की मेजबानी करते हैं, जिससे सामुदायिक जुड़ाव और साहित्य के प्रति साझा प्रेम को बढ़ावा मिलता है। *

पाठकों की पुस्तक परियां इटली

इटली निवासी अपनी पढ़ी हुई किसी किताब को अपने पास डंप नहीं करते हैं। जब वे अपनी खरीदी हुई पुस्तक पढ़कर समाप्त करते हैं तो पुस्तक को वापस शेल्फ पर रखने के बजाय, वे इसे विशेष स्टिकर और हरा रिबन लगाकर किसी और के लिए सार्वजनिक स्थल पर छोड़ देते हैं। इन किताबों को ट्रेन स्टेशनों, कॉफी की दुकानों, पार्क की बेंचों और अन्य जगहों पर छोड़ दिया जाता है ताकि कोई दूसरा पाठक इन्हें पाकर पढ़ सके। इन्हें पुस्तक परियां कहते हैं। कुछ लोग अपनी किताबों को पार्क की बेंचों के नीचे, स्टोर के साइन बोर्ड के पीछे या बस स्टेशनों में छिपाकर रखना पसंद करते हैं। ताकि उस किताब का दीवाना कोई पाठक उसे पाकर पढ़ सके। पढ़ने के बाद वह फिर से रिबन को लपेटकर अन्य पाठक के लिए दूसरी जगह रख सकता है या पुस्तक को अपने निजी पुस्तकालय के लिए सहेज सकता है। *

स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस चीन

चीनी प्राथमिक विद्यालयों में बेहतर साहित्यिक निर्देश और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए 2007 में स्थापित, स्टोन सूप हैप्पी रीडिंग एलायंस का मिशन है 'पढ़ने को वैसा बनाना है जैसा कि होना चाहिए- खुशहाल, मुफ्त और स्वैच्छिक।' छात्र अपनी पसंद की विशिष्ट सामग्री चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। किताबों की गाड़ियां कक्षाओं

से पुस्तकालयों तक लाई जाती हैं और शिक्षक अकसर अपने छात्रों को रोचक पुस्तकें खुद पढ़कर सुनाते हैं। इच्छुक छात्र उन किताबों से प्रेरित होकर नाटक या नाटकीय व्याख्याएं लिखते हैं और उन पर अभिनय भी करते हैं, जो उन्होंने पढ़ी होती है। *

नैनोविमो, संयुक्त राज्य अमेरिका

नैनोविमो आयोजन के तहत लोगों को 30 दिनों में 50,000 शब्दों का उपन्यास लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 1999 में एक पर्सनल डेवलपमेंट चैलेंज के रूप में शुरू हुआ यह कार्यक्रम इंटरनेट पर एक पॉपुलर इवेंट बन गया है। आधिकारिक तौर पर नैनोविमो, एक गैर-लाभकारी संगठन है, जो पूरे देश और दुनिया के लेखकों को मजेदार कार्यशालाओं, युक्तियों और ऑनलाइन फोरम के माध्यम से जोड़ता है। यह फोरम उपयोगकर्ताओं को अन्य लेखकों से प्रश्न पूछने, टेंप्लेट एक्सेस करने और कार्यशालाओं के लिए साइन अप करने की अनुमति देते हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह शेफ हो या मैकेनिक, घर पर रहने वाले माता-पिता या शिक्षक, इसमें भाग ले सकते हैं। *

पुस्तक प्रेमियों की सबसे पसंदीदा जगह होती है, पुस्तकालय, जहां जाकर वे मनचाही किताबें पढ़ते हैं। यहां हम आपको एक ऐसी लाइब्रेरी के बारे में बता रहे हैं, जो अपने पाठकों तक खुद पहुंचती है। जानिए, उत्तराखंड की अनोखी घोड़ा लाइब्रेरी के बारे में।

दूर-दराज तक किताबें पहुंचाती घोड़ा लाइब्रेरी

अनोखी पहल
डॉ. दीपक कोहली

घोड़ा लाइब्रेरी से अपनी मनपसंद किताबें चुनते युवा पाठक

लाइब्रेरी, यानी पुस्तकालय। एक ऐसी जगह, जहां ज्ञान-विज्ञान, साहित्य, कला, दर्शन आदि अनेक विषयों से संबंधित पुस्तकों को सहेजकर रखा जाता है। वैसे तो दुनिया में एक से बढ़कर एक पुस्तकालय हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे चलते-फिरते पुस्तकालय के बारे में बता रहे हैं, जो अपने अनूठेपन के कारण पुस्तक प्रेमियों के बीच बहुत चर्चित है।

कहां है घोड़ा लाइब्रेरीः उत्तराखंड के नैनीताल की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अपने अनूठे शिक्षा अभियान विस्तार कार्यक्रम के लिए लोगों के बीच चर्चित हो रही है। वैसे तो यह मुख्य रूप से बच्चों के लिए शुरू की गई लाइब्रेरी है, लेकिन अपने अनोखेपन के कारण बड़ों के बीच भी कौतुक का विषय बना हुआ है। बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इस लाइब्रेरी का लाभ उठाते हैं।

ऐसे नाम पड़ाः इस पुस्तकालय का नाम घोड़ा लाइब्रेरी इसलिए पड़ा क्योंकि एक घोड़ा अपनी पीठ पर किताबों की गठरी लेकर नैनीताल के कई गांवों में घूमता रहता है। घोड़ों के जरिए सड़क से दूर बसे दुर्गम गांवों के बच्चों के लिए किताबें पहुंचाई जा रही हैं। इनमें कोर्स की किताबों के साथ मनोरंजक और ज्ञानवर्धक साहित्य एवं पत्रिकाएं भी शामिल होती हैं।

ऐसे हुई शुरुआतः उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में दूरदराज के हिस्सों में, जहां सामान्य जीवन की जरूरतों को पूरा करना कठिन है। ऐसे में स्कूली छात्रों को उनकी जरूरत की किताबें मुहैया कराना बेहद मुश्किल होता है। साथ ही पत्रिकाएं और साहित्य पढ़ने में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी पत्र-पत्रिकाएं आमतौर पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांवों के बच्चों और बड़ों तक कोर्स की किताबों के साथ-साथ विभिन्न विषयों की किताबें और पत्र-पत्रिकाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय निवासी शुभम बधानी के दिमाग में इस अनोखी लाइब्रेरी को शुरू करने का आइडिया आया। बधानी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के तहत पहले उन गांवों को चुना गया, जो मुख्य सड़क से दूर स्थित हैं। जहां पहुंचने के लिए पहाड़ी नालों और झरनों को पैदल पार करना पड़ता है। तय किया गया कि इन गांवों में घोड़ों पर रखकर किताबें पहुंचाई जाएं।

कैसे काम करती है लाइब्रेरीः इस लाइब्रेरी के संचालन के बारे में शुभम बधानी बताते हैं कि वे गांव के शिक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ बच्चों से मिलकर पहले उनकी रुचि समझते हैं और उसी के अनुसार किताबें लेकर आते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी का घोड़ा कई गांवों में उन लोगों के लिए रुकता है, जो पढ़ने के इच्छुक हैं। साप्ताहिक ट्रिप के माध्यम से एक ट्रिप में बच्चों को किताबें भेजी जाती हैं और अगले ट्रिप में दी गई किताबें वापस ले ली जाती हैं और नई किताबें उन्हें उपलब्ध कराई जाती हैं।

सुदूरवर्ती गांवों तक है पहुंचः आज उत्तराखंड के नैनीताल में सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस लाइब्रेरी का भरपूर लाभ उठाया जा रहा है। हर वर्ग के छात्र और उनके अभिभावक भी इस अद्वितीय पोर्टेबल लाइब्रेरी का उपयोग कर रहे हैं। गांवों में बच्चों को अब पुस्तकें और अन्य अध्ययन सामग्री मिलने लगी हैं।

मिसाल है यह प्रयासः शहरी क्षेत्रों की बात करें, तो वहां लोगों को अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए तमाम साधन उपलब्ध होते हैं, जैसे- टीवी, विशाल पुस्तकालय, कार्यशालाएं, प्रशिक्षण संस्थान इत्यादि। इनके माध्यम से शहरी निवासियों को तमाम जानकारी आसानी से मिल जाती हैं। लेकिन सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले बच्चों और बड़ों के लिए इन सुविधाओं की उपलब्धता मुश्किल है। अभी भी सैकड़ों दूर-दराज के गांव ऐसे हैं, जो इंटरनेट से नहीं जुड़े हैं। अभी भी लाखों बच्चे हैं, जो बाहरी दुनिया के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में उत्तराखंड के सुदूरवर्ती गांव के लोगों के हाथ में अच्छी किताबों का आना, किताबें पढ़ने का मौका मिलना एक सपने के सच होने जैसा है।

शिक्षा के प्रचार-प्रसार और पढ़ने की आदत विकसित करने की दिशा में शुभम बधानी की 'घोड़ा लाइब्रेरी' अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी है। बच्चों के माता-पिता और अन्य ग्रामीणों की भागीदारी की वजह से यह अभियान दिनों-दिन सफल हो रहा है। *

सक्सेस मंत्रा
अंजू जैन

दुनिया के सफलतम लोगों की जीवनयात्रा पर निगाह डालें तो पाएंगे कि उन सभी में अपने काम के प्रति भरपूर प्यार रहा है। सफलता पाने के लिए लगन और समर्पण कितना मायने रखता है, आप जरूर जानना चाहेंगे।

काम से करें प्यार तो सफलता मिले अपार

कई बार मन में सवाल उठता है कि दुनिया में कुछ ही लोग इतने सफल, चर्चित और समृद्ध क्यों होते हैं, जबकि ज्यादातर लोग एक औसत और गुमनाम सा जीवन जीते हैं? इसकी कई वजहें होती हैं, इनमें से कुछ के बारे में यहां जानते हैं।

कर्म को मानते हैं पूजा

वैसे तो दुनिया में लगभग सभी लोग अपनी आजीविका के लिए या नाम कमाने के लिए कुछ न कुछ काम करते हैं। लेकिन कुछ लोग ज्यादातर लोगों से बहुत आगे निकलकर अपने क्षेत्र में, कुछ अपने जिले या राज्य में और कुछ लोग इससे भी आगे बढ़कर देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना लेते हैं। उनके पास नाम, शोहरत, पैसा, सफलता सब कुछ होता है। जानते हैं क्यों? क्योंकि ये उन ज्यादातर लोगों में से नहीं होते, जो बेमन या मजबूरी में अपने काम को करते हैं। ये उन चंद लोगों में से होते हैं, जो अपने काम में पूरी तन्मयता से डूबे रहते हैं। दिन-रात उल्लास और उमंग से मेहनत करते हैं और धैर्यपूर्वक अच्छे नतीजे का इंतजार करते हैं। ऐसे लोगों का जीवनमंत्र होता है- कर्म ही पूजा है।

अपने काम से करें प्यार

आज के समय में सुनीता विलियम्स जैसी अंतरिक्ष यात्री हों या विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी, अंबानी, टाटा और अडानी जैसे उद्योगपति हों या अमिताभ बच्चन, शाहरुख जैसे एक्टर, इन्हें कौन नहीं जानता! ऐसे कई सारे लोग दुनिया में हैं, जो विश्वविख्यात हैं और सफलता के चरम पर हैं। हर कोई जानता है कि उनकी जिंदगी, काम और राह आसान कभी नहीं थे। इन्होंने अपने जीवन में अभूतपूर्व कठिन और जटिल परिस्थितियों का सामना किया। हार-जीत और आशा-निराशा के भंवर से न जाने कितनी बार जूझे हैं। कई बार इन्होंने खुद को उल्लास, उमंग, प्रशंसा और सफलता के शिखर पर महसूस किया और कई बार ऐसा भी महसूस किया कि मानो सब कुछ समाप्त हो चुका है और वे इतने नीचे जा चुके हैं कि आगे कुछ भी नहीं बचा। लेकिन इन्होंने कभी यह नहीं कहा कि मुझे यह सब अच्छा नहीं लगता

या काम में मेरा मन नहीं लगता। जानते हैं क्यों? क्योंकि इन्होंने अपने काम से जी भर कर प्यार किया, उसे ही अपना सब कुछ समझा और हमेशा धैर्य बनाए रखा। इसलिए आज सफल और महान लोगों की सूची में इनका नाम है। हाल ही अंतरिक्ष में करीब 9 महीने तक विषम परिस्थितियों में रहकर लौटी सुनीता विलियम्स ने कहा है, 'अगर आप मन लगाएं, दृढ़ संकल्प रखें और कोई रास्ता खोजें तो आप जो करना चाहें कर सकते हैं। आप कभी खुद को किसी चीज में जकड़ा हुआ महसूस ना करें। कुछ ऐसा खोजें जो आपको पसंद है। जैसे ही वह मिल जाए, आप उसे पूरे मन से अच्छी तरह करें, बस यही महत्वपूर्ण है।'

सकारात्मक दृष्टिकोण है जरूरी

सफलता और सुकून सकारात्मकता से ही मिलते हैं। सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्ति अगर सफलता के शिखर पर हैं और समस्याओं का बेहतर तरीके से समाधान कर पाते हैं तो यह कोई जादू नहीं है बल्कि सीधा सरल विज्ञान है। इसका संबंध हमारे मस्तिष्क की क्षमताओं और इमोशनल इंटेलिजेंस से है। यह नतीजा 30 वर्षों के शोध से प्राप्त हुआ है, जो नॉर्थ कैरोलिना की पॉजिटिव इमोशंस लैबोरेट्री की प्रोफेसर बारबरा फ्रेडरिक के नेतृत्व में हुआ है। ब्रेन न्यूरॉन्स की आवाजाही पर आधारित अध्ययन बताते हैं कि सकारात्मक लोगों के मस्तिष्क का वेंट्रल टैगमैंटल एरिया अधिक सक्रिय होता है, जो उन्हें आशावादी बनाता है। सकारात्मक लोगों के ब्रेन के सर्किट्स उन्हें नए विचारों के लिए खुला बनाते हैं। हमारा सामाजिक व्यवहार कैसा होगा से लेकर हम समस्याओं को कैसे सुलझाते हैं, यह सब ब्रेन सर्किट से ही तय होता है। अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता के लिए अधिक सक्षम बनाने के लिए निरंतर सकारात्मक दृष्टिकोण वाली भाषा का इस्तेमाल करना, चीजों के उजले पहलुओं को देखना और ऐसे सवाल पूछना जरूरी है, जो किसी भी परिस्थिति में सर्वश्रेष्ठ हल खोज कर उन्हें बेहतर बनाने पर केंद्रित हों। किसी ने बिल्कुल सही कहा है, परिस्थिति से सोच नहीं बनती बल्कि सोच से परिस्थिति बनती है।

मेहनत के साथ समर्पण जरूरी

जिन लोगों ने इस दुनिया में सफलता, नाम, दौलत और शोहरत पाई है, उन्होंने अपने काम को जी-जान से चाहा है। उस्ताद बिस्मिल्लाह खान हों या अल्बर्ट आइंस्टीन, रतन टाटा हों या स्टीव जॉब्स, ये सभी अपने काम के प्रति पूर्ण समर्पित थे। ये सभी अपने काम को जुनून की हद तक चाहते थे। आपको यह मान कर चलना चाहिए कि आपकी प्रतिभा और आपका जीवन ईश्वर का अनमोल उपहार है। परफेक्शन और अच्छा नतीजा निरंतर एक्शन और समर्पण से ही आता है। अपना काम कीजिए और बाकी ईश्वर पर छोड़ दीजिए। यही महान धर्म ग्रंथ 'गीता' में भी कहा गया है। *

बड़ा पर्दा
हेमंत पाल

भक्ति के अनेक तरीकों में से एक है भक्ति गीतों यानी भजन के माध्यम से ईश्वर को याद करना। अनेक हिंदी फिल्मों में फिल्माए गए भक्ति गीतों को लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं। घरों और मंदिरों में ये गीत श्रद्धा-भक्ति के साथ सुने-सुनाए जाते हैं। भक्ति गीतों से सजी ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

भक्ति-गीतों से सजी यादगार हिंदी फिल्में

आज भी लोकप्रिय है फिल्म 'सुहाग' का भक्ति गीत

दर्शकों को खूब पसंद आई फिल्म 'जय संतोषी मां'

भगवान की भक्ति के लिए गीत या भजन गाना और सुनना बहुत लोकप्रिय है। फिल्मों में अकसर दिखाया जाता है कि किस तरह एक भजन सारे बुरे हालात बदल देता है। खास बात यह भी कि धार्मिक फिल्मों में ही भक्ति गीत हों, यह जरूरी नहीं। कई मल्टीस्टार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों में भी ऐसे कई भक्ति गीत फिल्माए गए, जो लोकप्रिय हुए और आज भी इन्हें सुना जाता है।

शुरुआती दौर से जारी है सिलसिलाः फिल्म इतिहास के पन्ने पलटे जाएं, तो हम पाते हैं कि ब्लैक एंड व्हाइट फिल्मों के जमाने से ही भक्ति गीतों को फिल्मों में शामिल किया जाता रहा है। उस दौर की कुछ फिल्मों के भक्ति गीत और भजन आज भी इतने लोकप्रिय हैं कि तीज-त्योहार पर ये बजते सुनाई देते हैं। फिल्मों ने ऐसे कई भजन और भक्ति गीत दिए हैं, जिन्हें सुनकर और गाकर कुछ पलों के लिए हम अपने दुःख भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में मन में विश्वास की एक ज्योति जल उठती है।

भरपूर सफल हुई 'जय संतोषी मां': धार्मिक फिल्मों और उसके प्रसिद्ध भक्ति गीतों की बात करें, तो 'जय संतोषी मां' को एक मिसाल के तौर पर देखा जा सकता है। 1975 में आई कम बजट की फिल्म 'जय संतोषी मां' को अपार सफलता मिली थी। इस फिल्म की गिनती अब तक की श्रेष्ठ ब्लॉकबस्टर फिल्मों में होती है। फिल्म की अपार सफलता में इस फिल्म के सभी गीतों का भी बड़ा योगदान था। उषा मंगेशकर, महेंद्र कपूर और मन्ना डे ने कवि प्रदीप के लिखे भक्ति गीत गाए थे। 'करती हूं तुम्हारा व्रत मैं स्वीकार करो मां', 'यहां-वहां जहां-तहां मत पूछो कहां-कहां', 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'मदद करो संतोषी माता', 'जय संतोषी मां', 'मत रो मत रो आज राधिके', फिल्म के सभी गीत उन दिनों तो खूब प्रचलित हुए ही, आज भी सुने जाते हैं। लोगों में इस फिल्म एवं इसके कलाकारों के प्रति भक्ति-भाव का ये आलम था कि फिल्म में माता संतोषी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अनीता गुहा को लोग पूजने लगे थे। 'जय संतोषी मां' में अभिनय करने वाले महिपाल ने भी अपने जीवन काल में 'संपूर्ण रामायण', 'वीर भीमसेन', 'वीर हनुमान', 'हनुमान पाताल विजय', जैसी सफल धार्मिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने करियर में भगवान राम, कृष्ण, गणेश और विष्णु का किरदार इतनी बार निभाया कि असल जिंदगी में भी लोग इन्हें पूजने लगे थे।

'सुहाग' का यादगार भक्ति गीतः 1979 में अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की फिल्म 'सुहाग' आई थी, जिसमें मां दुर्गा की भक्ति पर गाया गया भजन 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोवाली' काफी लोकप्रिय हुआ था। फिल्म के इस भक्ति-गीत में अमिताभ और रेखा ने गरबा भी किया था। आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज ने इस गीत को यादगार बना दिया। आज भी नवरात्र और देवी पूजन के अन्य अवसरों पर यह गीत सुनाई देता है।

लंबी है फेहरिस्तः शुरुआत से लेकर अब तक की हिंदी फिल्मों की

बात करें, तो भक्ति गीतों से सजी हिंदी फिल्मों की लंबी फेहरिस्त है। याद किया जाए तो ऐसे कालजयी भक्ति गीतों में 1965 में आई फिल्म 'खानदान' के गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' को रखा जा सकता है। इस भजन को सुनील दत्त पर फिल्माया गया था। राजेंद्र कृष्ण के लिखे इस भजन को मोहम्मद रफी ने गाया था। जन्माष्टमी के अवसर पर अभी भी ये गीत गूंजता है। उससे पहले 1952 में आई फिल्म 'बैजू बावरा' का गीत मोहम्मद रफी की हिंदू भजनों के प्रति लगाव का सबसे बेहतर प्रमाण कहा जा सकता है। 'ओ दुनिया के रखवाले, सुन दर्द भरे मेरे नाले' के बोल आज भी किसी दुखी व्यक्ति का चेहरा सामने ले आते हैं। शकील बदायूंनी के लिखे इस गीत में नौशाद ने संगीत दिया था। 1954 में आई फिल्म 'तुलसीदास' के गीत 'मुझे अपनी शरण में ले लो राम' को भी मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी और बीते जमाने के विख्यात संगीतकार चित्रगुप्त ने इसे संगीत से सजाया था। गीत में राम को आराध्य मानकर अपना सब कुछ अर्पण करने की बात कही गई है।

ये तो बस कुछ उदाहरण मात्र हैं। ऐसे कितने ही भक्ति गीत हैं, जिसने फिल्म की सफलता में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाई ही, आस्थावान दर्शकों एवं भक्तों के हृदय में भक्ति-भाव को भी प्रबल किया। *